Regarding production of 15,300 Megawatt electricity and subsequent employment generation

माननीय सभापति : अगर माननीय सदस्यों की सहमति हो, तो शून्य काल के लिए अर्थात् सात बजे तक सभा का समय बढ़ाया जाता है?

अनेक माननीय सदस्य : हां-हां।

माननीय सभापति : श्री कीर्ति आज़ाद जी।

श्री कीर्ति आज़ाद : सभापति महोदय, मैं राष्ट्रहित में एक बार पुनः अपनी आवाज आपके सामने उठा रहा हूं। स्वतंत्रता के बाद अपने आपमें एक पहली बहुद्देश्यीय दामोदर घाटी नदी परियोजना शुरू की गई थी। अभी भारत सरकार ने थर्मल पावर के माध्यम से 15,300 मेगावाट बिजली उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। हमारे दामोदर वैली कॉर्पोरेशन का एक यूनिट अभी 1,000 मेगावाट बिजली तैयार कर रहा है। ऐसे ही तीन संयंत्र हैं, दामोदर वैली प्रोजेक्ट, रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन प्रोजेक्ट और कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन को चुना गया है।

माननीय सभापति : आपने दुर्गापुर और हल्दिया से संबंधित विषय के बारे में नोटिस दिया है। आज आपका जो विषय बैलेट हुआ है, वह दुर्गापुर और हल्दिया से संबंधित है।

श्री कीर्ति आज़ाद : महोदय, मैं पिछली बार उसके बारे में बोल चुका है। हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन का विषय हो चुका है। यह कल का विषय है, जिसकी मैंने अनुमति ली है।

महोदय, दामोदर वैली कॉर्पोरेशन में 800 मेगावाट की यूनिट खुलनी है। इसके साथ जो दो अलग थर्मल पावर स्टेशंस हैं, रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन और कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन हैं।

माननीय सभापति : आप शॉर्ट में बोलिए। सभी माननीय सदस्यों को दो-दो मिनट का समय मिलेगा।

श्री कीर्ति आज़ाद : महोदय, ये दोनों स्टेशन्स शुरू हो चुके हैं। अगस्त 2028 में रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन और अगस्त 2029 में कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन शुरू होगा।

18.00 hrs

सभापति जी, मुझे आपको यह बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि दामोदर वैली कॉर्पोरेशन को एक बहुत ही महत्वपूर्ण अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन माना गया है। हालांकि, यह पीएसयू है और केन्द्र सरकार का कार्य शुरू होना है।

माननीय सभापति : आप जानते हैं कि जीरो ऑवर में स्पीच नहीं होती है।

श्री कीर्ति आज़ाद : मैं सरकार से जानना चाहूंगा और मेरी मांग होगी कि अपना लक्ष्य 15,300 मेगावाट पूरा करने के लिए आज से साल भर पहले जो कार्यक्रम शुरू किया गया था, वह तुरंत शुरू किया गया जाए, जिससे वहां पर रोजगार का सृजन हो सके और जो लक्ष्य 15,300 मेगावाट का तय किया गया है, वह पूरा हो सके।

सभापति जी, मुझे आपको यह बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि दामोदर वैली कॉर्पोरेशन को एक बहुत ही महत्वपूर्ण अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन माना गया है। हालांकि, यह पीएसयू है और केन्द्र सरकार का कार्य शुरू होना है।

माननीय सभापति : आप जानते हैं कि जीरो ऑवर में स्पीच नहीं होती है।

श्री कीर्ति आज़ाद : मैं सरकार से जानना चाहूंगा और मेरी मांग होगी कि अपना लक्ष्य 15,300 मेगावाट पूरा करने के लिए आज से साल भर पहले जो कार्यक्रम शुरू किया गया था, वह तुरंत शुरू किया गया जाए, जिससे वहां पर रोजगार का सृजन हो सके और जो लक्ष्य 15,300 मेगावाट का तय किया गया है, वह पूरा हो सके।